27 March 2011 दैनिक जागरण

राहत की बात : अन्य राज्यों की तुलना में हिमाचल में नदियों की स्थिति काफी बेहतर

पॉवर व रिवर पॉलिसी में संतुलन जरूरी'

- रमन मैगसेसे पुरस्कार विजेता एवं भारत में जल पुरुष के नाम प्रख्यात राजेंद्र सिंह का सुझाव

शिमला में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल व इस दौरान उपस्थित बुद्धिजीवी। जागरण

जागरण संवाददाता, शिमला : प्रदेश में नदियां सदानीर रहें और निरंतर प्रवाह से बहती रहें, इसके लिए पॉवर और रिवर पॉलिसी में संतुलन बनाया जाना निहायत जरूरी है। हिमाचल में विद्युत परियोजनाओं और नदी के बीच संतुलन बनाए जाने से ही नदियों का अस्तित्व बचा रह सकता है। यह बात रमन मैगसेसे पुरस्कार विजेता एवं भारत में जल पुरुष के नाम प्रख्यात राजेंद्र सिंह ने 'दैनिक जागरण' से बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि अन्य राज्य की तुलना में हिमाचल में अभी नदियों की स्थिति काफी बेहतर है। इस दिशा में सही प्रबंधन व तीव्रता लाए जाने की आवश्कता है, तभी प्राकृतिक संसाधनों में हिमाचल देश का सिरमौर बन सकता है।

राजेंद्र सिंह सतत् विकास के लिए युवाओं के ग्रामीण विकास पर 'प्रेजेंट सेनारियो एडं फ्यूचर चैलेंज' विषय पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के शुभारंभ के मौके पर शिमला आए थे। उन्होंने मुख्यमंत्री को प्रदेश के लिए तैयार की गई नदी नीति की रिपोर्ट भी सौंपी। उन्होंने कहा कि देश में विकास दर के आंकड़े को आठ फीसदी से अधिक बताया जा रहा है। विकास की राह पर चलते हुए प्राकृति को जो नुकसान हुआ है, अगर इसका चिंतन किया जाए तो विकास की दर उल्टी पड़ सकती है। विकास की प्रक्रिया भी निरंतर चलती रहनी चाहिए। शर्त यह है कि इसके लिए बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों को न छेड़ा जाए। विकास तभी समृद्धि देगा जब प्राकृति बची रहेगी। इसके लिए विकास और समृद्धि में अंतर को समझना जरूरी है। इस दिशा में राज और समाज को मिलकर काम करना होगा। मिट्टी और पानी सीमाओं के बाहर नहीं जाए और युवा अपनी धरती के लिए काम करे यह प्रतिबद्धता दोहरानी होगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल में अभी हालत अधिक नहीं बिगड़े हैं। इसके लिए बस जरूरत केवल अभी से संभलने की है। देश में बहने वाली नदियों की बात की जाए तो हिमाचल में स्थित अलग है। दिल्ली में यमुना नदी के नाम पर नाला बह रहा है। उन्होंने कहा कि अगर हिमाचल में नदी की पवित्रता की रक्षा की जाती है, तभी प्रदेश समृद्धि के रास्ते पर जाएगा। विकास के साथ यहां का सनातन भी बचा रहेगा।

जागरण कार्यालय ➲ शिमला कार्यालय : दैनिक जागरण ब्यूरो, समीप लक्कड़ बाजार बस स्टैंड शिमला- 171001,

पंजाब केसरी 27 March 2011

युवा बदल सकते हैं देश की तस्वीर : धूमल

शिमला : सनातन विकास हेतु युवाओं की भूमिका विषय पर कार्यशाला में उपस्थित लोग व (दाएं) उद्घाटन करते मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल। (नरेश)

शिमला, 26 मार्च (नेगी): सकारात्मक सोच के साथ युवा शक्ति आगे बढ़े तो देश की तस्वीर बदल सकती है। यदि युवा सही दिशा में कार्य करने का प्रयास करे तो देश फिर से विश्व गुरु का दर्जा हासिल कर सकता है। हमारे ऋषियों और मुनियों ने हमें प्रकृति के महत्व के बारे में सदियों पहले अवगत करवाया है। इसलिए तो हम पत्थर और वृक्ष की भी पूजा करते आ रहे हैं यहां तक कि हम पेड़ के पत्तों को निकालने से पहले उनकी पूजा करते हैं। यह बात शनिवार को सनातन विकास हेतु युवा संस्था की ओर से आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने कही। यदि पढ़े लिखे युवा यह सोचकर कार्य करें कि जो ज्ञान उनके पास है उससे गांवों का विकास संभव होगा और स्वरोजगार के साधन भी अपने आप ही खुल जाएंगे। इसी को ध्यान में रखकर राज्य सरकार ने पंडित दीन दयाल योजना आरंभ की है जिसके परिणाम भी अच्छे आ रहे हैं। यदि कोई युवा पॉलीहाऊस लगाता है तो वह प्रति माह 1 लाख रुपए से अधिक की अच्छी कमाई कर सकता है और साथ ही अन्य लोगों को भी रोजगार दे सकता है। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख डा. कृष्ण कुमार बबेजा जी, प्रांत प्रचारक बनवीर, सह कार्यवाह डा. वीर सिंह रांगड़ा, विधायक सुरेश भारद्वाज, विधायक तेजवंत नेगी, विधायक डा. राम लाल मार्केंडय, विधायक हीरा लाल, संस्था के अध्यक्ष अनिल सूद और महासचिव राजेश्वर चंदेल मौजूद रहे।

मोदी, चंद्रशेखर व शांता के उदाहरण दिए

प्रो. धूमल ने कहा कि वर्तमान में गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने राज्य में विकास को उचित दिशा दी है जो पूरे देश के लिए एक मिसाल है। इसी तरह से उन्होंने बीच में पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर सहित पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद शांता कुमार के समय में चली वन लगाओ रोजी कमाओ की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने 'ग्रामीण विकास वर्तमान परिदृश्य एवं भावी चुनौतियां' विषय पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन का शुभारंभ अवसर पर कहा कि ग्रामीण विकास केवल कृषि ही नहीं बल्कि पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और अन्य संबद्ध गतिविधियों से जुड़ा है। सरकार प्रयासरत है कि युवाओं को मामूली रोजगार के पीछे भागने के बजाय पारंपरिक कृषि अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। सम्मेलन का आयोजन यूथ फॉर सस्टेनेबल डिवैल्पमैंट ने किया। रमन मेगासेसे पुरस्कार विजेता एवं भारत के 'वाटर मैन' श्री राजेन्द्र सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि युवाओं को सकारात्मक कार्यों में अपनी ऊर्जा लगाने के लिए प्रेरित किए जाने की आवश्यकता है।